Indian Council of World Affairs
Sapru House, Barakhamba Road
New Delhi

22वां सप्रु हाउस व्याख्यान

महामहिम सुश्री क्लाउडिया रूईज मैसियू सालिनास

विदेशी मामलों संबधी

सचिवयूनाइटेड मैक्सिको राष्ट्र

"मैक्सिको का अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण: मैक्सिको-भारत संबंध"

सप्रु हाउस, नई दिल्ली

11 मार्च, 2016

- आज आपके साथ यहां होना बड़े हर्ष की बात है।
- मैं विश्व में मैक्सिको की भूमिका के बारे में अपने विचारों को साझा करने के लिए मुझे आमंत्रित करने हेतु विश्व मामलों की भारतीय परिषद् के प्रति कृतज्ञ हूं।

स्लाइड 2. विषय-वस्तु

- सर्वप्रथम मैं मैक्सिको और विश्व में इसके स्थान की सामान्य जानकारी दूंगी।
- उसके बाद मैं अपने पड़ोसी देश उत्तरी अमेरिका, **संयुक्त राज्य अमेरिका,** के साथ अपने द्विपक्षीय संबंध के बारे में बताउंगी।
    - मैं **प्रवासन पहलू** पर जोर दूंगी, क्योंकि मूल देश, पारगमन और गंतव्य होने के अलावा हम वापस होने वाले प्रवासियों का भी देश बन चुके हैं।
- उसके बाद मैं **लैटिन अमेरिका** में मैक्सिको की रणनीतिक स्थिति के बारे में संक्षेप में बताउंगी।
- अपने क्षेत्रों के बारे में बात करते हुए मैं **आज की वैश्विक शासन व्यवस्था में मैक्सिको की भूमिका** के बारे में बताउंगी।
- अंत में, मैं **भारत** पर विशेष रूप से बल देते हुए एशिया में अपनी उपस्थिति की समीक्षा करूंगी।

स्लाइड 3. मैक्सिको: एक नजर में

इस ईक्कीसवीं सदी में अमेरिका को समझने की कोशिश में आपको मैक्सिको, जो लैटिन अमेरिकी क्षेत्र और उत्तरी अमेरिकी दुनिया के बीच का पुल है, को समझना होगा। मैक्सिको इस महाद्वीप में अपरिहार्य स्थल माना जाता है।

- हम एक ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था हैं और **विश्व की 15वीं अर्थव्यवस्था हैं।**
- **11** मुक्त व्यापार समझौता, निवेश संबंधी 31 समझौतों की पारस्परिक सुरक्षा:
    - 46 देशों में 1.2 बिलियन लोगों वाले बाजार तक अधिमान पहुंच।
    - हम उत्तरी और दक्षिण अमेरिका के मुख्य प्रवेश द्वार हैं।
- हम एशिया के साथ अपने व्यापार को बढ़ा रहे हैं→टीपीपी
    - जब टीटीपी को कार्यान्वित किया जाएगा तो हमारे पास 1.2 बिलियन डॉलर के अतिरिक्त 155 मिलियन लोगों तक अधिमान पहुंच होती जिसके लिए हमारा मुक्त व्यापार समझौतों की पहुंच है।
    - टीटीपी + ईयू वैश्विक समझौते से हम यूरोप और एशिया के बीच एक स्वाभाविक पुल का कार्य करेंगे।

- दक्षिण कोरिया, जर्मनी, यूके और सदउदी अरब और 13वें वैश्विक के बाद जी-20 का पांचवीं सबसे खुली अर्थव्यवस्था।
    - हमारे निर्यात का 85%हिस्सानिर्मित उत्पाद होता है।
    - लैटिन अमेरिका द्वारा निर्यात किए जाने वाले 64%उत्पाद मैक्सिको के होते हैं।
    - लैटिन अमेरिका के कुल व्यापार का 36% भाग मैक्सिको का होता है।
- मैक्सिको मुक्त व्यापार के प्रति प्रतिबद्ध है। व्यापार हमारे जीडीपी का 63 प्रतिशत है।
- अधिकांश लैटिन अमेरिकी देशों की तुलना में हमारा वाणिज्यिक ढ़ांचा बदल गया है , आज हमारे निर्यात का 85 प्रतिशत निर्माण है।
    - 1982 में हमारे निर्यात का 70.6% तेल था, और 24.3% निर्मित वस्तु।
    - आज हम निर्मित वस्तुओं का 12वां सबसे बड़ा निर्यातक और जी-20 का तीसरा सबसे बड़ा देश हैं।
- *हम सबसे अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पाने वाले देशों में 13वें स्थान पर हैं।*
    - प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में बढ़ोतरी हो रही है , यह मैक्सिको में निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है।
    - **2015**में जो एफडीआई प्राप्त हुआ वह 2014 के पूर्वानुमान से 25.8 प्रतिशत से अधिक था।
    - राष्ट्रपति पेना नेइटो के कार्यकाल के दौरान संचित एफडीआई 99 ,736.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर था जो उनके पूर्व राष्ट्रपति के प्रथम तीन वर्षों में प्राप्त राशि (61,898.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर) से 60 प्रतिशत अधिक है।
- विश्व का 13वां और 11वां सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश:
    - लगभग 12 मिलियन प्रथम पीढ़ी का मैक्सिको वासी (जो मैक्सिको में पैदा हुए थे) अमेरिका में रहते हैं और दूसरी और तीसरी पीढ़ी के लोगों की संख्या को मिलाकर यह लगभग 35 मिलियन है।
- संयुक्त राष्ट्र के बजट में 15वां सबसे बड़ा अंशदाता।
    - हम 22 यूरोपीय देशों (जर्मनी , फ्रांस, यूके, इटली, स्पेन और नीदरलैंड) से अधिक अंशदान करते हैं।

- भारत, ब्राजील, चीन, कोलंबिया, कांगो, इंडोनेशिया और पेरू के साथ हम एक विवधता वाला देश हैं। मैक्सिको जैवविविधता में चौथा सबसे बड़ा समृद्ध देश है।
    - हमारे यहां विश्व में लगभग 12 प्रतिशत सजीव प्रजातियां हैं।
    - विश्व में छठा ऐसा देश है जहां यूनेस्को की विश्व विरासत सूची के सबसे अधिक स्थल मौजूद हैं।

- विश्व में 10वां ऐसा देश जहां सबसे अधिक लोग यात्रा करते हैं, लैटिन अमेरिका में प्रथम देश और अमेरिकी देशों में दूसरा देश।

- प्रशांत और अटलांटिक महासागर तथा उत्तरी अमेरिका और दक्षिण अमेरिका के बीच रणनीतिक रूप से अवस्थित मैक्सिको वैश्विक रूप से संभार केन्द्र और उन्नत निर्माण केन्द्र है।
    - प्रशांत और अटलांटिक, विश्व के दो सबसे बड़े महासागरों के साथ 11,000 किमी. तटीय क्षेत्र से जुड़ा हुआ है।
    - हम विश्व के सबसे बड़े बाजारों में से एक अमेरिका के साथ 3000 किमी. से अधिक की सीमा के साथ जुड़े हुए हैं।
    - मध्य अमेरिका के 4000 किमी. सीमा से अधिक जहां हमारा निवेश बहुत अधिक है।

स्लाइड 4. मैक्सिको: एक नजर में

मैक्सिको में मजबूत समष्टि आर्थिक स्थिरता है।

- यह लचीली विनिमय दर, मजबूत लोक वित्तपोषण और मजबूत वित्तीय प्रणाली के साथ एक स्वायत्त मौद्रिक नीति का परिणाम है।
- हमारे पास मूल्य स्थिरता को बनाए रखने के लिए एक अधिदेशित स्वायत्त केन्द्रीय बैंक है।
- मैक्सिको का राष्ट्रीय ऋण हमारे जीडीपी के 43 प्रतिशत के बराबर है। यह आंकड़ा स्वीट्जरलैंड के (46 प्रतिशत), जर्मनी के (73 प्रतिशत), यूरोपीय संघ के (88 प्रतिशत), यूके के (90 प्रतिशत) और अमेरिका के (105 प्रतिशत) से कम है।

मैक्सिको विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

- मैक्सिको का जीडीपी 1.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है।
- मैक्सिको लैटिन अमेरिका की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- यह अर्थव्यवस्था विश्व की 15वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- मैक्सिको लैटिन अमेरिका का दूसरी सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश है। यह प्रति व्यक्ति जीडीपी 18,000 अमेरिकी डॉलर के साथ 120 मिलियन लोगों का उपभोक्ता बाजार प्रदान करता है।

स्लाइड 5. मैक्सिको का ऐतहासिक बदलाव

मैक्सिको ऐतिहासिक परिवर्तन की दौर से गुजर रहा है। यह देखना दुर्लभ है कि कोई भी सरकार जिसे आंतरिक सुधार बदलावों के लिए आधुनिक बनाने और आंतरिक आम सहमति को तैयार करने के लिए उपयुक्त बाह्य परिस्थितियां मिलती हैं। यही स्थिति है जिसका मैक्सिको अनुभव कर रहा है। हम

साझेदारों की तलाश कर रहे हैं ताकि वे हमारे साथ आ सकें और आगे आने वाले बहुत सारे अवसरों का लाभ उठा सकें।

- राष्ट्रपति एनरिक पेना नेएटो द्वारा प्रेरित और कांग्रेस द्वारा अनुमोदित संरचनात्मक सुधारों के सुविस्तृत और उपयुक्त कार्यान्वयन मुख्य आर्थिक क्षेत्रों के कार्यनिष्पाद को मजबूत कर रहा है।
- **11ढ़ांचागत सुधार**→आर्थिक क्षमता और समावेशी विकास को बढ़ावा देना।
  - वर्तमान में मूर्त परिणामों के साथ कार्यान्वयन चरण में:
  - ***कर सुधार ने कर राजस्व को मजबूत किया है और तेल राजस्व पर निर्भरता में कमी को सुकर बनाया है।***
    - वर्तमान में 2012 के 39.2 प्रतिशत की तुलना में तेल राजस्वों से मिलने वाली कुल आय 20 प्रतिशत है।
  - ***दूरसंचार सुधार के कारण इस क्षेत्र में निवेश आया है।***
    - दूरसंचार क्षेत्र में अधिक निवेश को दर्ज किया गया है जिससे विदेशी नगम यथा एटीएंडटी, वर्जिन मोबाइल और यूटेलसेट निवेश प्राप्त हुआ है।
  - विश्व बैंक की अद्यतन वार्षिक **डूइंग बिजनेस रिपोर्ट** के अनुसार वित्तीय सुधार के कारण मैक्सिको में ऋण प्राप्त करना आसान है।
    - मैक्सिको सरकार ने संपार्श्विक के रूप में प्रदत्त स्वामित्व के सामान्य विवरण की अनुमति प्रदान करते हुए उद्घघोषणा करते हुए ऋण तक पहुंच में सुधार किया है।
- *2015* ***में मैक्सिको विश्व आर्थिक मंच के वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक रिपोर्ट के सूचकांक में 4 बिंदू उपर ओर आ गया।***
  - मैक्सिको वित्तीय बाजार विकास श्रेणी में 17 अंक उपर आ गया।
  - अवसंरचना और तकनीकी तैयारी श्रेणी में छठे स्थान पर, और
  - वस्तु बाजार दक्षता श्रेणी में 4था स्थान।
- ***वित्तीय सुधार ने कार्पोरेशन की अपनी लागत में कमी की है और ऋण में बढ़ोतरी की है।***
  - कार्पोरेशन हेतु ब्याज दर को 0.9 प्रतिशत कम किया गया।
  - इसके अतिरिक्त, निजी क्षेत्र को प्रदत्त वित्तपोषण में जीडीपी के 5.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गयी।

- ***कारोबार करने में सहजता***
    - मैक्सिको में किसी निवेशक को किसी कंपनी को सुधार करने के लिए केवल 6 दिन और 6 प्रक्रियाएं पूरी करनी होती है। चीन में निवेशकों को किसी कंपनी को शुरू करने के लिए 33 दिनों की आवश्यकता होती है और ब्राजील में 107 दिन की आवश्यकता होती है।
- ***मैक्सिको के लिए सकारात्मक प्रभाव, उदाहरण के लिए:***
    - दूरसंचार सुधार के कारण दूरसंचार प्रशुल्कों में कमी आयी है।
        - अंतरराष्ट्रीय लंबी दूरी के लिए 40.7 प्रतिशत का प्रशुल्क, मोबाइल फोन क्षेत्र के लिए 18.2 प्रतिशत का प्रशुल्क और फिक्स्ड टेलिफोन सेवाओं के लिए 4.2 प्रतिशत प्रशुल्क लिया जाता है।
        - 65 हजार से अधिक सार्वजनिक स्थानों पर नि:शुल्क इंटरनेट सेवा प्रदान की जाएगी।
    - ***वित्ती सुधार के कारण परिवारों के लिए ऋण में बढ़ोतरी और उनकी लागत में कमी हुई है।***
        - परिवारों के लिए उपभोक्ता ऋण पर ब्याज दर में 1.9 प्रतिशत और 0.7 प्रतिशत की कमी की गयी है।

भारतकी तरह मैक्सिको एक लोकतंत्र है जो अपनी संस्थाओं पर भरोसा करता है। हमारे पास एक मुक्त सरकार है जो अपने संघीय ढ़ांचे में पारदर्शिता, जबावदेही और सार्वजनिक सूचना तक पहुंच को बढ़ावा देता है।

- **स्वायत्तशासी संस्थाएं**
    - राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (सीएनडीएच)
    - राष्ट्रीय पारदर्शिता, सूचना और व्यक्तिगत आंकड़ों तक पहुंच संस्थान (आईएनएआई)
    - राष्ट्रीय विकास नीतियों के मूल्यांकन संबंधी परिषद् (सीओएनईवीएएल)

स्लाइड 6. मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका: उत्तरी अमेरिका को सबसे गतिशील और प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में परिवर्तित करना।

हमारी साझी सीमा अवसर, समृद्धि, नवोन्मेष और विकास का एक क्षेत्र है।

मैक्सिको और अमेरिका ने इस प्रतिमान में परिवर्तन किया है कि एक अंतरराष्ट्रीय सीमा क्रासिंग कैसा होना चाहिए। हमारी सीमा , विश्व में सबसे व्यस्त है , जे हमारे सहयोग से लाभ प्रदान करती है। आज वस्तु और लोगों की आवाजाही अधिक सुरक्षित और पहले से अधिक तेज है।

- हमारी सीमा मैक्सिको और अमेरिका के लिए आर्थिक, वाणिज्यिक और सामाजिक विकास का वाहक है और इसका श्रेय उन कर्ताओं और संघटकों को जाता है जो इसमें अभिसरित होता है।
- हम एकीकरण के क्षेत्र के रूप में अपनी सीमा की कल्पना करते हैं जो हमारे देशों को वास्तविक विभाजन की अपेक्षा एक साथ जोड़ता है। मैक्सिको और अमेरिका ने यह सीखा है कि अपने भौगोलिक निकटता का लाभ किस प्रकार ले सकें।
  - एक गहरा सामाजिक और आर्थिक एकीकरण की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है।
  - हमारा 3000 किमी की एक साझी सीमा है।
  - हमारी उत्तरी सीमा के साथ 58 प्रवेश द्वार हैं।
  - प्रतिदिन एक मिलियन से अधिक कानूनी क्रासिंग और 370 ,000 से अधिक की वाहन क्रॉसिंग होती है।
  - यह सीमा क्षेत्र मैक्सिको और अमेरिका में 14 मिलियन से अधिक लोंगों का आश्रय है।
  - हर दिन एक मिलियन लोग कानूनी रूप से मैक्सिको-अमेरिका में आते-जाते हैं।
  - सभी द्विपक्षीय व्यापार का 70 % से अधिक हिस्सा स्थल मार्ग से होता है।
- ***यह अतिश्योक्तिपूर्ण नहीं है कि हमारा आर्थिक संबंध बहुत गहरा है। हर मिनट हमारा देश 1 मिलियन डॉलर का व्यापार करता है।***
  - यह राशि प्रतिदिन द्विपक्षीय व्यापार में 1.4 बिलियन है।
  - वर्ष 2015 में हमारा कुल द्विपक्षीय वाणिज्य 531 बिलियन अमेरिकी डॉलर था (हम प्रति वर्ष आधे ट्रिलियन डॉलर से अधिक का व्यापार करते हैं।)।
  - पिछले ही वर्ष हमने 294 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का निर्यात किया। यह आंकड़ा ब्राजील, रूस, भारत और दक्षिण अफ्रीका द्वारा अमेरिका को किए गए कुल निर्यात से 3.1 गुणा अधिक था।
  - 1994 में मैक्सिको, कनाडा और अमेरिका द्वारा उत्तर अमेरिका मुक्त व्यापार समझौता किए जाने के बाद 20 वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में 483 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।
  - मैक्सिको 22 अमेरिकी राज्यों का प्रथम या द्वितीय व्यापारिक साझेदार है।

- ***हम मूल देश , पारगमन, गंतव्य और वापसी प्रवर्जन देश के रूप में अपनी***

घरेलु, क्षेत्रीयऔर वैश्विक जिम्मेदारियों को स्वीकार करते हैं और उसका निर्वहन करते हैं।

- मैक्सिको जो पहले मुख्य रूप से प्रवासियों को बाहर भेजने वाला देश था , वह अब प्रवासियों का वापस बुलाने वाले देश के रूप में विकसित हो गया है। हमारी सार्वजनिक नीतियां इस नयी वास्तविकता को परिलक्षित करने के लिए अपनायी गयी है।
- वर्तमान में 35 मिलियन मैक्सिको वासी अमेरिका में रह रहे हैं (यह कुल जनसंख्या का 11 प्रतिशत है और स्पेनिश जनसंख्या का 63 प्रतिशत है।)।
  - अमेरिका में रह रहे 11.7मिलियन मैक्सिको वासियों का जन्म मैक्सिको में हुआ है।
  - यद्यपि मैक्सिको अमेरिका में रह रहे विदेशी मूल के लोगों में मैक्सिको के लोग मुख्य रूप से हैं, किंतु यह प्रवासियों का मुख्य स्रोत नहीं है।
- प्रतिदिन अधिकाधिक संख्या में मैक्सिको वासी अमेरिका में प्रवेश करने के स्थान पर वापस लौट रहे हैं।
  - इस पुनर्प्रवासन का मुख्य कारण अमेरिका में आर्थिक स्थिति के बाद पारिवारिक एकजुटता है।

- अमेरिका में हमारा वाणिज्यिक दूतावास मैक्सिको और विदेश में बसे मैक्सिको वासियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अथक रूप से प्रयास कर रहे हैं। किसी एक देश के साथ मैक्सिको का सबसे बड़ा वाणिज्यिक नेटवर्क है: अमेरिका में 49 मैक्सिकी वाणिज्यिक दूतावास हैं।
- हम उन अंतर्निहित मुद्दों का समाधान करने के लिए भी कठिन परिश्रम करते हैं जिससे इस क्षेत्र में हिंसा और असमानता फैलता है ताकि अनियमित प्रवास प्रवास जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान हो सके। हमारा मध्य अमेरिका विशेष रूप से ग्वाटेमाला , अल्सलवाडोर और होंडुरस जैसे विभिन्न देशों के साथ मिलकर परियोजनाएं चला रहे हैं।
- हम क्षेत्रीय गैस पाइपलाइन के निर्माण के माध्यम से प्रतिस्सपर्धा में बढ़ोतरी करने के लिए इस क्षेत्र की ऊर्जा मिश्रण के परिवर्तन में सहायता कर रहे हैं। हम इस क्षेत्र में कंपनियों और घरों के लिए उत्पादन लागत को कम करने के लिए अपने देश और मध्य अमेरिका के बीच बिजली अंतर्संयोजन का भी समर्थन कर रहे हैं।

स्लाइड 7. मैक्सिको भारत का अपने डायसपोरा के साथ अनुभव से क्या सीख सकता है?

डायसपोरा मैक्सिको और भारत के बीच साझा हित का एक क्षेत्र है। यद्यपि प्रत्येक डायसपोरा की विशेषताएं भिन्न होती हैं और प्रत्येक देश की प्रवासन प्रवाह पूरे इतिहास में भिन्न भेजने और आकर्षित

करने जैसे कारकों के प्रति प्रतिक्रिया किया है, मैक्सिको इस विषय पर भारत से बहुत कुछ सीख सकता है।

[यह स्लाइड प्रत्येक देश के डायसपोरा की विशेषताओं को प्रदर्शित करता है और भी प्रदर्शित करता है कि भारतीय और मैक्सिको की सरकारें विदेश में रह रही अपनी जनसंख्या से कैसे संबद्ध हो सकती हैं।]

मैं सर्वप्रथम यह बताउंगी कि हम डायसपोरा अनुबंध के संदर्भ में क्या कर रहे हैं। उसके बाद मैं कुछ प्रश्नों को प्रस्ताव दूंगी कि मैक्सिको और भारत एक दूसरे से क्या सीख सकते हैं।

- मैक्सिको यह रणनीति विकसित कर रहा है कि अमेरिका में दूसरी और तीसरी पीढ़ी के मैक्सिकन किस प्रकार एक दूसरे से संबद्ध हो सकते हैं।
    - दोहरी राष्ट्रीयता
    - मैक्सिको में ड्रीमर नेटवर्क और ड्रीमर का दौरा।
    - 3x1 और अन्य विप्रेषण निवेश कार्यक्रम
    - भारत का विश्व में सबसे अधिक डायसपोरा है (16 मिलियन)।
    - मैक्सिको के पास विश्व में दूसरा सबसे बड़ा डायसपोरा है (12 मिलियन)।
- हम सार्वजनिक नीति को आकार प्रदान कर रहे है इसलिए हमारा कार्यक्रम वर्तमान अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय प्रवासन संदर्भ के प्रति है। जैसा कि मैंने पूर्व में उल्लेख किया है कि अधिक प्रवासी मैक्सिको लौट रहे हैं।
    - 2009 से 2014 तक औसतन 167,000 मैक्सिको प्रवासी अमेरिका से मैक्सिको लौटा (इस अवधि के दौरान कुल एक मिलियन मैक्सिको प्रवासी वापस लौटा)।
- हम विशेषकर प्रवासियों के वापस लौटने के लिए तैयार किए गए नए कार्यक्रमों को शुरू करने की प्रक्रिया में हैं। ''ओपन डोर'' प्रक्रिया में मैक्सिको में वन स्टॉप केन्द्र शामिल है जहां प्रवासी अपने सामाजिक और आर्थिक पुन: एकीकरण को सुकर बनाने के लिए भिन्न मंत्रालयों और सरकारी एजेंसियों से सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं।
    - इससे यह प्रक्रिया प्रवासियों के लिए और मैत्रीपूर्ण और अधिक प्रभावी बन जाएगी।
    - हम वर्तमान में अपने वाणिज्य नेटवर्क के माध्यम से समान सेवाएं आफर करते हैं। प्रत्येक वाणिज्य दूतावास में हम निम्नलिखित का समन्वय करते हैं:
    - लोक स्वास्थ्य प्रयास (स्वास्थ्य केन्द्र),
    - शिक्षा (प्रशासनिक प्रक्रिया, छात्रवृत्ति, ऑनलाईन शिक्षा)
    - अर्थव्यवस्था (वित्तीय शिक्षा)
    - विकास प्रयास (मैक्सिको में निवेश के लिए सरकारी अनुदान)

- प्रवासी भारतीय मामले मंत्रालय को हाल ही में न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के

प्रयास में विदेश मंत्रालय के साथ मिला दिया गया है।

- प्रवासन के सभी पहलुओं में शामिल कर्ताओं की बहुलता के कारण मैक्सिको भारत के अनुभवों के बारे में सुनने को इच्छुक होगा।

- भारत अपने लोगों के गंतव्य देशों में अपने कौशल और योगदान को बढ़ावा देने में आश्चर्यजनक रूप से प्रभावी रहा है।
    - यह भी कहा जा सकता है कि भारत एक जन कूटनीतिक माध्यम के रूप में अपने डायसपोरा के प्रयोग में सफल रहा है।
- सरकार और अन्य क्षेत्रों ने इसे संभव बनाने के लिए क्या ठोस कार्रवाई की है?

सरकार ने अपने तत्कालीन प्रवासी भारतीय मामले मंत्रालय का किस प्रकार इस्तेमाल किया है और अब विदेश मंत्रालय इस नैरेटिव को कैसे तैयार करेगा और प्रसारित करेगा?

स्लाइड 8. उत्तरी अमेरिका में लैटिन अमेरिकी देश

यह क्षेत्र सकारात्मक प्रक्रिया की दौर से गुजर रहा है जो निम्न से प्रेरित है:

- लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती अर्थात् अर्जेंटीना का हाल का आम चुनाव जिसमें राष्ट्रपति मैक्री चुने गए और वेनेजुएला की राष्ट्रीय एसेम्बली का पूर्णोद्धार जिसमें विपक्षी पार्टी को ऐतिहासिक बहुमत हासिल हुआ।
- अंतरराष्ट्रीय बाजारों को खोलना अर्थात् इसके शुरूआती चरण के बावजूद पैसेफिक एलायंस ने हमारी भव्यवाणियों की अपेक्षा अधिक उपलब्धियों को साबित किया। साथ हीं , मुख्य क्षेत्रों यथा ऊर्जाऔर दूरसंचार क्षेत्र में हमारी पहले से चल रही सुधार प्रक्रिया पहले ही नए अंतरराष्ट्रीय निवेश अवसरों के द्वार खोल रही है।
- हमारी स्थायी बातचीत; इसमें सीईएलएसी जैसे तंत्रों का समर्थन है जो राजनीतिक बातचीत को स्थापित करने और सामान्य मार्ग बनाने के लिए बड़ा प्रभावी रहा है।

<u>पैसेफिक अलायंस</u>

- ***पैसेफिक अलायंस (चिली , कोलंबिया, मैक्सिको और पेरू) विश्व भर में क्षेत्रीय एकीकरण का सबसे रचनात्मक और प्रभावी पहल है।***
- इसकी सफलता को एक साझा दृष्टिकोण और साझा मूल्यों और स्पष्ट लक्ष्यों पर हमारे फोकस के परिणामस्वरूप बताया जा सकता है।
- मुक्त व्यापार सामाजिक न्याय, आर्थिक बढ़ोतरी और समावेशी विकास के हमारे साधन हैं।
- हमारे देशों के संपूरक हमें मजबूत बनाता है, जिसके लिए वे हमें इस क्षेत्र और विदेश में हमारे उत्पादों की उपस्थिति को बढ़ाते हुए हमारी वाणिज्यिक आदान-प्रदान को विविधता प्रदान करता

है।

- हमारी मुख्य प्रतिस्पर्धात्मक लाभ खनन , वानिकी, ऊर्जा, कृषि, आटोमोटिव, मत्स्यपालन और निर्माण क्षेत्रों में है।
- ये चार देश एकसाथ मिलकर हम निम्न का प्रतिनिधित्व करते हैं:
    - लैटिन अमेरिकी देशों की जनसंख्या का 36% (214.1मिलियन लोग)।
    - 8वां सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और विश्व स्तर पर 8वां सबसे बड़ा निर्यातक।
    - लैटिन अमेरिकी देशों की जीडीपी का 38% ।
    - जीडीपी प्रतिव्यक्ति: 16,500डॉलर।
    - इस क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय व्यापार का 50% हिस्सा।
    - प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के 45 प्रतिशत को आकर्षित करता है।
    - 780 सूचीबद्ध कंपनियों के साथ इस क्षेत्र का सबसे बड़ा स्टॉक बाजार।

<u>क्यूबा</u>

- ***क्यूबा का मैक्सिको के लिए एक रणनीतिक संबंध है: वे कैरेबियाई क्षेत्र में हमारा मुख्य साझेदार है।***
    - वर्ष 2013 में मैक्सिको-क्युबियाई संबंध को फिर से शुरू किए जाने के बाद से हम अपने सहयोग ढ़ांचे, द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को पुनरूद्धार करने पर फोकस कर रहे हैं।
    - क्यूबा के साथ संबंध को फिर से शुरू करने का मैक्सिको की विदेश नीति और व्यापार कार्य पर सोपानकी प्रभाव पड़ा है।
    - विशेष विकास क्षेत्र 'अल मैरियल' में निवेश हेतु प्राधिकृत प्रथम कंपनी मैक्सिको की कंपनी थी और वर्तमान में दो मैक्सिको फर्में हैं जिन्हें इन कार्यों को करने के लिए प्राधिकृत किया गया है।

- जून, 2005 के दौरान क्यूबा और अमेरिका ने अपने कूटनीतिक संबंधों और वार्ता को फिर से बहाल किया; यह इस क्षेत्र की श्रेष्ठ घटनाओं में से एक है।
    - मैक्सिको ने इस घटना का स्वागत किया और हम इस संक्रमण प्रक्रिया में क्यूबा के साथ के लिए तैयार हैं।
- हमने जो प्रगति की है उसे हम मानते हैं*;* इसके बावजूद हम दोनों ही देशों से आग्रह करते हैं कि वे कुछ लंबित मामलों यथा 1) आर्थिक प्रतिरोध को समाप्त करना *, 2)* ग्वांटानामो को वापस लौटाना और 3) अमेरिका को दे दी गयी संपत्ति (7.6 बिलियन डॉलर) को वापस करना*,* के समाधान के लिए अपनी बातचीत को जारी रखें।

स्थायी वार्ता: सीईएलएसी

- ***यह एकमात्र ऐसा मंच है जो 33 लैटिन अमेरिकी और कैरिबियाई देशों को एकसाथ जोड़ता है।***
- इक्वाडोर में हस्ताक्षरित 2016 की कार्य योजना में की गयी प्रतिबद्धता के भाग के रूप में हमारा लक्ष्य एक व्यापक योजना तैयार करने का है जिससे विदेशी संबंध स्थापित हो और जो सीईएलएसी के सभी सदस्यों के हितों के अनुकूल हो।

वर्ष 2016 के दौरान हम रूस , भारत, कोरिया, तुर्की, जापान और आसियान के साथ आगे बढ़ने पर सहमत हुए।

स्लाइड 9. वैश्विक मानदंडों और मूल्यों को आकार देना: मैक्सिको और वैश्विक शासन क्लब

- भारत की तरह बहुपक्षीय मंचों में हमारे व्यवहार का इरादा वैश्विक मानकों और मूल्यों का निर्माण करना है।
    - इस कारण से हम कई "शासन क्लब" में सक्रिय सदस्य हैं।
- संयुक्त राष्ट्र मैक्सिको के लिए परंपरागत रूप से एक स्वाभाविक कार्य स्थल रहा है।
    - हमने शांतिऔर सुरक्षासे लेकरविकास और मानवाधिकार तक के लिए कई पहलों को बढ़ावा दिया है।
- जी20 और पैसेफिक अलायंस में हमने यह देखा है कि किस प्रकार राजनीतिक मुद्दे इस कार्यसूची के हिस्सा रहे हैं।
    - हम दोनों तंत्रों की आर्थिक प्रकृति के कारण इसमें भाग लेते हैं , किंतु साथ ही साथ हम राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भी तैयार रहते हैं।

मिक्ता (एमआईकेटीए)

- हमने एक नए और नवोन्मेषी समूह - मिक्ता (मैक्सिको, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, तुर्की और ऑस्ट्रेलिया) का गठन किया है।
    - हम एक साथ मिलकर विश्व के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं जिसका कुल जीडीपी 5.8 बिलियन अमेरिकी डॉलरऔर विश्व अर्थव्यवस्था का 7.5 प्रतिशत है।
    - ***हम सभी मध्य शक्तियां , मुक्त व्यापार के लिए खुले बाजार , उभरती***

अर्थव्यस्थाओं, लोकतांत्रिक प्रणालियों, क्षेत्रीय नेताओं, उच्च विकास दर की क्षमता, मजबूत आंतरिक बाजारों और बढ़ती क्रय शक्ति हैं।

- ये हमारे कुछ उद्देश्य हैं:
  - ***अपने द्विपक्षीय संबंधों और राजनीतिक वार्ताओं को मजबूत करना।***
  - वैश्विक चुनौतियों के रचनात्मक समाधान की प्राप्ति के लिए एक दूसरे से साझा बहुपक्षीय स्थिति के बारे परामर्श करना।
    - 2016में→उत्तर कोरियाई परमाणु परीक्षण, हिंसात्मक चरमपंथ को रोकना।
  - संयुक्त सहयोग परियोजनाओं को विकसित करना।

स्लाइड 9. वैश्विक व्यवस्था में हमारी भूमिका: मानदंडों और मूल्यों को आकार देना।

जहां चाह वहीं राह, अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक माध्यम है। हमने पिछले वर्ष 2030 विकास एजेंडा तथा जलवायु परिवर्तन समझौता देखा है। ऐसा एक भी संयुक्त राष्ट्र का मुद्दा नहीं है जिसमें मैक्सिको की छाप न हो: निशस्त्रीकरण, विकास हेतु वित्त पोषण, मानवाधिकार, महिला आदि।

- भारत की तरह हम संयुक्त राष्ट्र के मुख्य देशों में हैं जिनकी बातों का मूल्य होता है। मैक्सिको और भारत सदैव ही देशों के समूह में हैं जिनसे संयुक्त राष्ट्र के भीतर ही बड़े निर्णयों के लिए परामर्श किया जाता है।
- संयुक्त राष्ट्र संघ में मैक्सिको और भारत विकास, गैर उपनिवेशवाद और मध्यपूर्व जैसे मुद्दों पर अपने विचारों को साझा करते हैं।
- अंतरराष्ट्रीय संबंधों में हमारे द्वारा निभायी जा रही भूमिका के कारण निम्नलिखित बहुपक्षीय मुद्दों पर हमारी बातचीत जारी रखना अनिवार्य होगा:

<u>सतत विकास लक्ष्य</u>

- 2015, बहुपक्षवाद के प्रति नवीकृत प्रतिबद्धता →**2030** का विकास एजेंडा **+** पेरिस समझौता(जलवायु परिवर्तन)
- सतत विकास लक्ष्य → "विश्व के बारे में सोचो और स्थानीय रूप से कार्य करो " →समावेशी दृष्टिकोण क्योंकि:
  - विकसित और विकासशील दोनों पर विचार करना।
  - संवेदनशील समूह
  - सभी हितधारक: सरकार, स्थानीय सरकार, निजी क्षेत्र, नागरिक समाज और शिक्षाविद्।

- विकास के त्रिआयामी रूप: आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण।

- आशा→सरकारी नीतियों में परिवर्तनकारी प्रभाव

- मैक्सिको का योगदान:

  - गरीबी के प्रति बहुआयामी दृष्टिकोण।
  - विकास हेतु प्रवासी कामगारों के योगदान को मान्यता।
  - लैंगिक समानता और लड़कियों व महिलाओं का सशक्तिकरण।

<u>ऊर्जा</u>

- जलवायु परिवर्तन हमें साफ और हरित विकास विकल्पों के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करता है।
- मैक्सिको ने पेरिस समझौते को स्वीकार किया विशेष रूप से क्योंकि यह विकसित और विकासशील दोनों की प्रकार के देशों पर लागू होता है।
- हमारी ऊर्जा सुधार प्रतिबद्धता हमें भविष्य में स्वच्छ ऊर्जा की ओर ले जाता है।
  - वास्तव में, यह मैक्सिको में संभावित निवेश का क्षेत्र है।
  - हम दक्षिण अफ्रीका और तुर्की के बाद फोटोवोल्टिक सौर ऊर्जा के लिए तीसरा सबसे आकर्षक देश हैं।
  - ज्योथर्मिक ऊर्जा के उत्पादन में लैटिन अमेरिका में पहला स्थान और विश्व में अमेरिका, फिलीपिंस व इंडोनेशिया के बाद चौथा स्थान।
- मैं फ्रांसीसी-भारतीय अंतरराष्ट्रीय सौर ऊर्जा गठबंधन से अवगत हूं , यह इस पर कार्य करने के लिए एक सहक्रिया हो सकती है।
  - उदाहरण के लिए 2024 तक कानून द्वारा हमें सौर ऊर्जा सहित नवीकरणीय ऊर्जा से 35 प्रतिशत विद्युत ऊर्जा का उत्पादन करना चाहिए।

<u>शांति स्थापित करने वाले अभियान</u>

- वर्ष 2015 में मैक्सिको ने 69वें महासभा में राष्ट्रपति पेना नेटो द्वारा की गयी घोषणा के बाद संयुक्त राष्ट्र के शांति स्थापना अभियानों में अपनी भागीदारी को पुन: शुरू किया।
- इस निर्णय के साथ मैक्सिको अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखने की अपनी पूर्ण प्रतिबद्धता को पूरा कर रहा है।
- आज मैक्सिको हैती (मिनुस्ताह) , पश्चिमी सहारा (मिनुर्सो) और लेबनान (यूनिफिल) में के इन मिशनों में अपने सैन्य कार्मिकों के साथ भागीदारी कर रहा है। इस स्तर पर हमारा इरादा क्षमता विकसित करने का है ताकि धीरे-धीरे अपनी भागीदारी बढ़ा सकें।
- जैसा कि राष्ट्रपति ने 2015 के अपने गत शांति स्थापना शिखर सम्मेलन में घोषणा की थी ,

हम 2018 में अपने स्वयं के शांति स्थापना प्रशिक्षण केन्द्र को स्थापित करेंगे।

- यह महत्वपूर्ण होगा कि भारत जैसे प्रमुख सैन्य योगदानकर्ता देशों से बेहतर प्रथा सीखा जाए।

<u>सुरक्षा परिषद् सुधार</u>

- सुरक्षा परिषद् में सुधार और विस्तर ने परंपरागत रूप से मैक्सिको और भारत को विभाजित किया है।
- तथापि, अंत में हम बहुत ही समान बात को देखना चाहेंगे: अधिक प्रतिनिधित्व वाला यूएनएससी।
- हमारे तात्पर्य भिन्न हैं:
    - भारत को नया स्थायी सदस्यता चाहिए और उन्हें स्थायी सदस्यों शामिल होने की आकांक्षा है।
    - मैक्सिको और कुछ महत्वपूर्ण देश समूह नए स्थायी सदस्यों के पक्ष में नहीं हैं।
- बहुत लंबी चर्चा→किसी समझौते पर पहुंचने का समय, केवल स्थायी सदस्यों को ही लाभ होगा।
- हमारा प्रस्ताव: एक समझौतापूर्ण समाधान→दीर्घकालिक, अस्थायी सीटों का सृजन, पुनर्चुनाव की संभावना।
    - यह एक वास्तविक समाधान है जिसे कम समय में प्राप्त किया जा सकता है।
    - विकासशील देश इस कार्यसूची को प्रभावी रूप से प्रभावित कर सकता है।
    - इससे जबावदेही बनेगी।
    - यह परिषद् को और लचीला बनाएगा ताकि विश्व वास्तविकता के अनुकूल हो सके।
- ***यहां, विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में मैं इसे रेखांकित करती हूं कि चुनाव चुनाव वास्तव में अनिवार्य तत्व है। हम 21वीं सदी में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की संवीक्षा किए बिना स्थायित्व और अधिकारों को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं?***
    - अधिक स्थायी सदस्य = अधिक अवरोध
    - एक स्थायी सदस्य बनने की भारत की इच्छा का सम्मान→किंतु भारत कब तक प्रतीक्षा करने को इच्छुक है?क्या आप उम्मीद करते हैं कि आपको वीटो शक्ति प्रदान की जाए? इस शक्ति के बिना स्थायी सदस्यता का क्या मूल्य है?
    - बड़े सम्मानपूर्वक हम मैक्सिको द्वारा प्रेरित समझौतापूर्ण समाधान पर विचार करने के लिए भारत को आमंत्रित करते हैं।

स्लाइड 10. मैक्सिको "मेक इन इंडिया" किस प्रकार कर सकता है?

भारत और मैक्सिको भावी संभावनाको साझा करते हैं और उनका क्षेत्रीय शक्तियों और आर्थिक केन्द्र के रूप में स्थान है। हम अपने यहां इस दृष्टिकोण को "मूविंग मैक्सिको" कहते हैं और आप यहां इसे "मेक इन इंडिया" कहते हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि ये कार्यक्रम समानांतर दिशा में चल रहे हैं।

- मेक इन इंडिया का एक स्तंभ निवेश को आकर्षित करना और इसे सुकर बनाना है। मैक्सिको में हमारा लक्ष्य उत्पादकता और निवेश को बढ़ाने का भी लक्ष्य है:
    - हम विश्व आर्थिक मंच के वैश्विक प्रतिस्पर्धा रिपोर्ट के सूचकांक के संबंध चार स्थान उपर आए हैं।
    - वित्तीय बाजार विकास श्रेणी में 17 स्थान उपर आए हैं।
    - अवसंरचना और तकनीकी तैयारी श्रेणी में 6 स्थान उपर आए हैं।
    - वस्तु बाजार दक्षता श्रेणी में 4 स्थान उपर आए हैं।
    - कारोबार करने के संबंध में विश्व बैंक की अद्यतन वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार सुधार के परिणामस्वरूप मैक्सिको में ऋण प्राप्त करना आसान हो गया है।
- ***मेक इन इंडिया का भी लक्ष्य अपने युवाओं हेतु प्रशिक्षण देना और रोजगार सृजन करना है। मैक्सिको में हमने एक महत्वाकांक्षी शिक्षा सुधार किया है:***
    - 3.4 मिलियन से अधिक छात्रों को इससे लाभ हुआ है।
    - छात्रों के कौशल को विकास के लिए और तीन घंटे की कक्षा और अतिरिक्त क्रियाकलापों को शुरू किया गया।
    - 23,182 पूर्णकालिक विद्यालय योगदान दे रहे हैं।
- ***मूविंग मैक्सिको के लिए आर्थिक प्रतिस्पर्धा , राजकोषीय और वित्तीय सुधार की तरह कारोबार सुविधा प्रदान करना मेक इन इंडिया का एक अभिन्न अंग है:***
    - वित्तीय सुधार ने उपभोक्ताओं , परिवार और कार्पोरेशन के लिए ऋण में बढ़ोतरी की है और इसकी लागत को क्रमश: 1.9 प्रतिशत , 0.7 प्रतिशत और 0.9 प्रतिशत घटा दिया है।
    - निजी क्षेत्र के लिए प्रदत्त वित्तपोषण में जीडीपी के 5.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।
    - कर सुधार ने मैक्सिको की अर्थव्यवस्था को तेल पर निर्भरता को कम करते हुए कर राजस्व को समर्थन किया। वर्ष 2012 में 39.2 प्रतिशत की तुलना में वर्तमान में तेल राजस्व से प्राप्त कुल आय 20 प्रतिशत से कम है।
    - वर्ष 2014 में कर संग्रहण मैक्सिको के इतिहास में इसके जीडीपी के 10.5 प्रतिशत पीएफ के साथ सबसे अधिक है।
- ***मेक इन इंडिया का महत्वपूर्ण उद्देश्य विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की पुरानी सीमा को समाप्त करना है। मैक्सिको में ऊर्जा सुधार के साथ हमने इस रणनीतिक क्षेत्र में***

इस राष्ट्र के हितों को अक्षुण्ण रखते हुए निजी निवेशकों के लिए ऊर्जा बाजार को खोल दिया है:

- पीईएमईएक्स (राष्ट्रीय तेल कंपनी) सरकारी और निजी निवेश परियोजना जिसमें लगभग 23 बिलियन डॉलर का निवेश किया गया , इससे 63,000 रोजगारों को सृजित करने में सहायता मिलेगी।
- मैक्सिको की सरकार ने विद्युत परिपथ , भूमिगत नेटवर्क और विद्युत संयंत्रों को आधुनिक बनाने के लिए 2010 और 2014 के बीच 244 मिलियन डॉलर का निवेश किया है।
- ऊर्जा की लागत में कमी आयी है और निवेश में बढ़ोतरी हुई है। आधुनिक इतिहास में पहली बार गैस और डीजल के मूल्यों में 3 प्रतिशत की कमी आयी है।
- निजी क्षेत्र में प्रदत्त वित्तपोषण में जीडीपी के 5.5 बिंदू की बढ़ोतरी हुई है।

- ***और जहां भारत 100 इंटेलिजेंट शहरों को सृजित करने और वहनीय आवास प्रदान करने के लिए अपने स्मार्ट सिटी मिशन को लागू कर रहा है वहीं मैक्सिको में हमने विशेष आर्थिक जोन (एसईजेड) को तैयार किया है:***
  - ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां प्राकृतिक और संभार लाभ होते हैं तथा निवेश और रोजगार सृजित करते हुए अत्यधिक उत्पादक जोन में परिवर्तित करने के लिए उन्हें विशेष लाभ प्राप्त होगा।
  - उन्हें विशेष कर और श्रम लाभ प्राप्त होता है।
  - कारोबार करने के लिए विशेष प्रशुल्क, विनियामक प्रावधान और अधिमान शर्त होती है।
  - बेहतरीन अवसंरचना सृजित की जाती हैं।
  - मानव पूंजी सृजन के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाताहै और वित्तपोषण और नवोन्मेष को प्रोत्साहित किया जाता है।

स्लाइड 11. मैक्सिको-भारत: हमारे पास असंख्य अवसर

आज मैक्सिको के पास हमारे साझा भविष्य के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण है: नवीकृत और मजबूत संबंध के माध्यम से हम दोनों देशों को हमारे पास उपलब्ध अनगिनत अवसरों का पूर्ण लाभ उठाना चाहिए।

दोनों अर्थव्यवस्थाओं - मैक्सिको और भारत की अर्थव्यवस्था के आकार के संदर्भ में- को अपने द्विपक्षीय एजेंडे में प्राथमिकता दिए जाने की आवश्यकता है।

<u>वैश्विक बाजार</u>

मैक्सिको विश्वव्यापी सबसे गतिशील क्षेत्रों में भारत के लिए एक स्वाभाविक पुल की तरह है। हमारा मुक्त व्यापार समझौता और रणनीतिक गठबंधन नेटवर्क हमें उत्तरी और लैटिन अमेरिका का प्रवेश द्वार बनाता है।

- मैक्सिको विश्व के सभी भागों में अपनी उपस्थिति को मजबूत बना रहा है।
  - टीपीपी (उत्तरी अमेरिका और एशिया) , प्रशांत अलायंस (लैटिन अमेरिका) , वैश्विक समझौता (ईयू)।
  - विश्व में 15वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते हम सबसे विशेष व्यवस्था क्लब: जी20 को अपने सदस्य भारत के साथ साझा करते हैं।

- ***हमारी विशेष भौगोलिक अवस्थिति और रणनीतिक संबंधों ने कई देशों यथा भारत के लिए रूचि पैदा की है कि वे इस महाद्वीप में और अधिक शामिल हों।***

<u>व्यापार और निवेश</u>

मैक्सिको और भारत के बीच व्यापार में पिछले दशक में 19.2 प्रतिशत के आसपास की बढ़ोतरी हुई है। साथ हीं , मैक्सिको और भारत के आकार वाली जी20 की दो अर्थव्यवस्थाओं को अपने व्यापार आंकड़ों में बढ़ोतरी करनी चाहिए।

- भारत के लिए मैक्सिको के निर्यात का मूल्य 1.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर है जबकि भारत से लगभग 4 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का आयात किया जाता है।
- द्विपक्षीय व्यापार कुल मिलाकर 5.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर का है (2015 के आंकड़े)।

- ***हमें अपने आर्थिक संबंध और व्यापार लेन-देन को और बढ़ाने के लिए साथ कार्य करना होगा और नए अवसरों की तलाश करनी होगी।***
- ऐसे कई क्षेत्र हैं जिनमें हम अनुपूरक सहक्रियाओं का पता लगा सकते हैं।
  - निर्माण उद्योग के क्षेत्र में स्पष्ट उदाहरण हैं: मैक्सिको मुख्य रूप से तैयार वस्तुओं का निर्यातक है। दूसरी ओर मैक्सिको में भारत का भारी निवेश स्पष्ट रूप से इसी उद्योग में है।
- उसी प्रकार हमारा द्विपक्षीय निवेश हमारे परस्पर वाणिज्य को मजबूत करने के लिए अवसर के क्षेत्र को परिलक्षित करता है।
  - मैक्सिको भारत का दूसरा सबसे बड़ा लैटिन अमेरिकी निवेशक है जिसका एफडीआई लगभग 282 मिलियन अमेरिकी डॉलर है।
  - लैटिन अमेरिका में मैक्सिको भारतीय एफडीआई के लिए दूसरा गंतव्य है।
- तथापि, हम यह स्वीकार करे हैं कि लगभग 173 भारतीय कंपनियां जो मुख्य रूप से

आटोमोटिव, भेषज और आईटी क्षेत्र से हैं, उन्हें मैक्सिको में स्थापित किया गया है।

- इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), क्लेरिस लाइफ इंश्योरेंस, सन फर्मा और आस्पेन लैब शामिल है।

- भारत में विभिन्न क्षेत्रों में कम से कम 11 मैक्सिकन कंपनियां कार्य कर रही हैं जिनमें मनोरंजन (सिनेपोलिस और किड्जानिया) और आटोमोबाइल पार्ट्स (मेटाल्सा और नेमक) शामिल है, जिन्हें भारत में उल्लेखनीय विस्तार का अनुभव है।
  - मेटसाला, ग्रुपो कुओ , नेमक कॉरपोरेसियोन ईजी , सिनेपोलिस, केटकोन, जिगनस, जेनोमालैब, सिमेक्स, इंडोटेक, ग्रेट फुड एंड बिवेरेज, होमेक्स, किड्जानिया।

<u>कारोबारी अवसर</u>

भारत और मैक्सिको को व्यापार मेला , सेमीनारों के आयोजन के माध्यम से और रणनीतिक क्षेत्रों में हिताधिकारियों में बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कारोबारी अवसरों को बढ़ाने और दोहन करने के लिए अपने प्रयासों को दुगुना करना चाहिए।

- जो भारतीय मैक्सिको में कारोबार करने को इच्छुक हैं उनके लिए कई संभावित अवसर हैं। आटोमोटिब उद्योग एक उदाहरण है।
  - हमारा देश आटोमोटिब और आटो पार्ट के निर्माण में उल्लेखनीय विकास हासिल कर रहा है , यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें भारत ने हाल के वर्षों में सबसे अधिक दिलचस्पी दिखायी है।
  - टाटा मोटर्स मैक्सिको में इस क्षेत्र में निवेश करने के लिए किसी अंतरराष्ट्रीय भारतीय कंपनी द्वारा सफलता का एक उदाहरण है।
- आटोमोटिब उद्योग के अतिरिक्त , मैक्सिको और भारत के लिए ऐसे ही अवसर खनन उद्योग, आईटी व प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में हैं।

<u>पर्यटन</u>

पर्यटन आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और गरीबी में कमी लाने हेतु धारणीय स्तर की प्राप्ति का एक प्रेरक बल है।

- पर्यटन के संबंध में हमने दोनों ही देशों से पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी देखी है ;हम चाहते हैं कि इस आंकड़े में और बढ़ोतरी हो।
- वर्ष 2015 में मैक्सिको ने पूर्व वर्ष की तुलना में भारत से 22.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी का स्वागत किया। उसी तरह हाल का आंकड़ा बतलाता है कि भारत में मैक्सिको पर्यटकों की संख्या में 24 प्रतिशत की महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई है (2012 की तुलना में 2014 में)।

<u>विज्ञान और प्रौद्योगिकी</u>

मैक्सिको और भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्प्रेरक संबंधों को विकसित कर रहे हैं। हमारी अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच उत्पादक वार्ता हुई है ; वे वर्तमान में चक्रवात, बाढ़ और भूकंप जैसे भौगोलिक घटनाओं के दौरान प्रयोग की जाने वाली आपदा प्रबंधन तकनीकों पर साथ कार्य कर रहे हैं।

- वास्तव में , 2014 में मैक्सिको और भारत ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और मैक्सिकन अंतरिक्ष एजेंसी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है जिसमें बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग से संबंधित सहयोग करने पर सहमति बनी है।
- हम भारत के साथ वैज्ञानिक और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से संबंधित मुद्दों में सहयोग करना चाह रहे हैं जिसमें भारत नि:संदेह विश्व में अग्रणी है।

*इस व्याख्यान के पूर्ण प्रतिलेख को जल्द ही अपलोड किया जाएगा।

पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण

व्या ख्यानके दौरान किया गया

द्वा

महामहिम सुश्री क्लाउडिया मैसियू सेलिनास
मैक्सिको विदेश मंत्रालय की सचिव

जिम्मेदारी निर्वहन:विश्व मंच पर मैक्सिको

क्लाउडिया रूईज मैसियू

मैक्सिको विदेश मंत्री, विश्व मामले का भारतीय परिषद्

विषय वस्तु सारणी

I. मैक्सिको एक नजर में

II. मैक्सिको का ऐतिहासिक परिवर्तन

III. उत्तरी अमेरिका को सबसे अधिक गतिशील और प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में परिवर्तित करना

IV. उत्तरी अमेरिका में एक लैटिन अमेरिकी देश

V. वैश्विक मानदंडों और मूल्यों को आकार प्रदान करना

VI. मैक्सिको और भारत: हमारी सहज पहुंच में अवसर क्षेत्र

I. मैक्सिको एक नजर में

- 15 वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था*(1.3* ट्रिलियन जीडीपी*)*
- 13वीं सबसे खुली अर्थव्यवस्था*(46* देशों के साथ *11*मुक्त व्यापार समझौते और 1.2 बिलियन उपभोक्ताओं का एक बाजार)
- दक्षिण कोरिया और जर्मनी के बाद उन्नतनिर्माण करने वाले देशों में 3रा बसे बड़ा देश।
- एफडीआई पाने वाला 13वां सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता*(28* बिलियन*)*
- 13वां सबसे बड़ा देश (1.9 मिलियन वर्ग किमी)
- 11वां सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश *(120*मिलियन लोग*)*
- संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट में 15वां सबसे बड़ा अंशदाता
- संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना बजट में 29वां अंशदाता।
- जैव विविधता में 4था सबसे समृद्ध देश।

रणनीतिक स्थिति:

- प्रशांत और अटलांटिक महासागर के बीच स्थित
- उत्तरी और दक्षिण अमेरिका के बीच एक पुल के रूप में,.
- निम्नलिखित के लिए एक शक्ति:
  - वैश्विक संभार केन्द्र बनने की सभी अपेक्षाएं

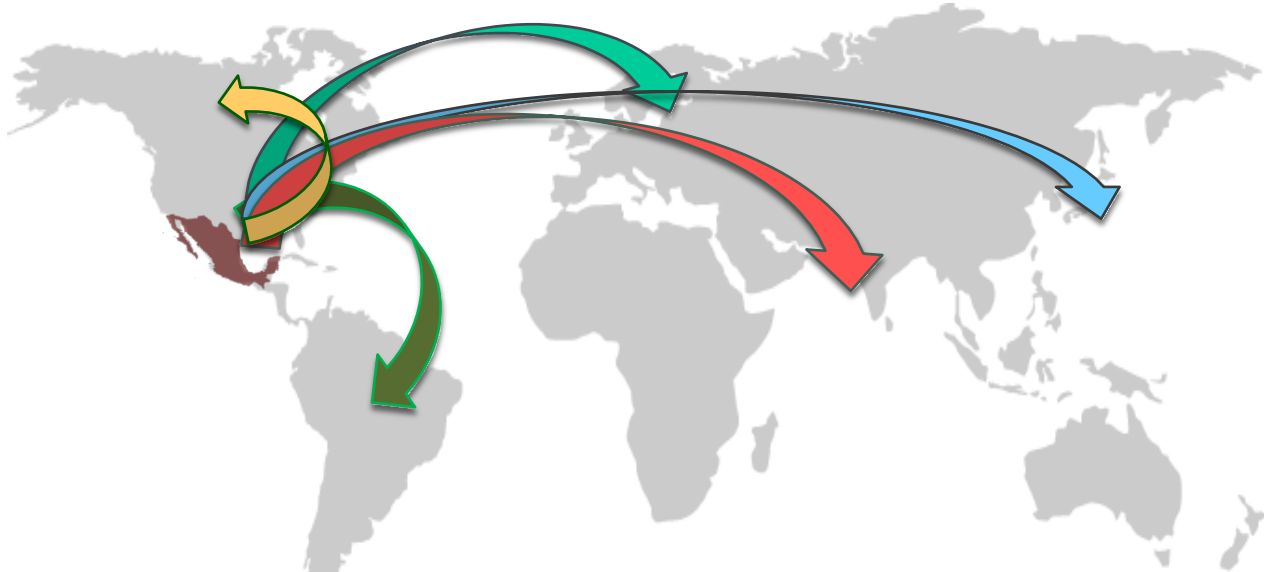

II. मैक्सिको का ऐतिहासिक परिवर्तन

परिवर्तनीय सुधार

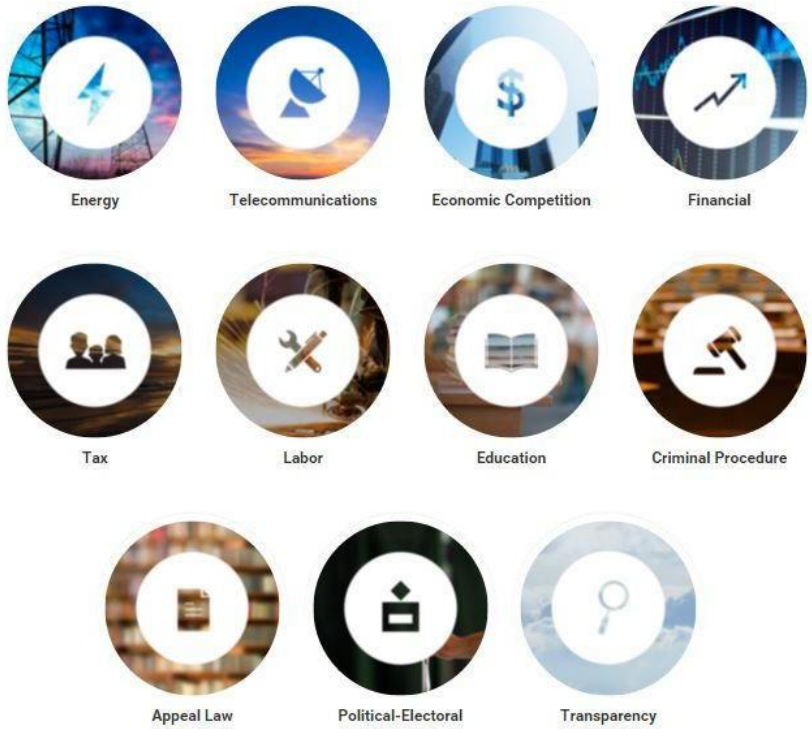

मुख्य क्षेत्रों में मुख्य बदलाव

- हम रचनात्मक सुधार को सफलतापूर्वक लागू कर रहे हैं।
- इस प्रकार, मैक्सिको निम्न क्षेत्र में कार्य कर रहा है:
  - प्रौद्योगिकी और वित्तीय विकास को आगे वाले मुख्य क्षेत्रों में मैक्सिको के निष्पादन को सुदृद्ध करना।
  - इन सुधारों का आशय अगले चुनाव के लिए नहीं बल्कि अगली पीढ़ी के लिए है।

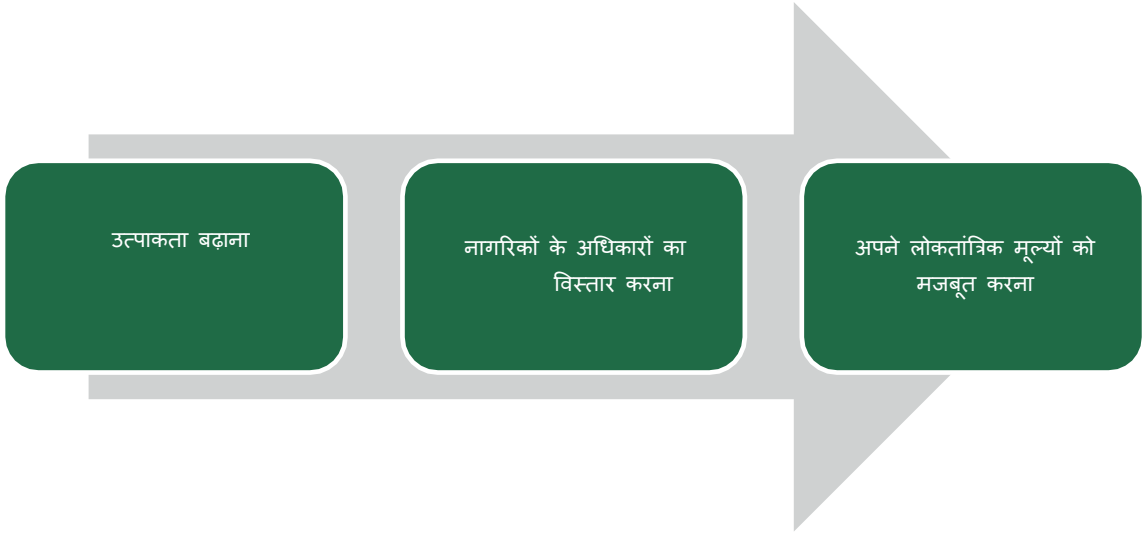
उत्पाकता बढ़ाना
नागरिकों के अधिकारों का विस्तार करना
अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना

मैक्सिको और संयुक्त राज्य: उत्तरी अमेरिका को सबसे गतिशील और प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में परिवर्तित करना

हमारी साझी सीमाएं अवसर, समृद्धि, नवोन्मेष व विकास का क्षेत्र है।

यह अतिश्योक्तिपूर्ण नहीं है कि हमारा आर्थिक संबंध बहुत प्रगाढ़ है। हर मिनट हमारे देश का व्यापार 1 मिलियन डॉलर का होता है।

साझी सीमा

- **3,000+**किमी.
- **58 प्रवेश पत्तन**
- **370,000** दैनिक रूप से क्रास होने वाले वाहन
- **1** मिलियन से अधिक कानूनी क्रासिंग
- **14+**मिलियन से अधिक लोगों को निवास स्थल
- **70%** **द्विपक्षीय व्यापार स्थल मार्ग से होता है।**

व्यापार

- किसी एक देश में सबसे अधिक वाणिज्यिक दूतावास नेटवर्क है: 49 वाणिज्य दूतावास
- प्रवास के कारणों को दूर करने के लिए मध्य अमेरिका के साथ क्षेत्रीय सहयोग।

हम मूल , पारगमन, गंतव्य और वापस आने वाले प्रवासियों के देश के रूप में अपने घरेलु, क्षेत्रीय और वैश्विक जिम्मेदारियों को स्वीकार करते हैं और उस पर कार्य करते हैं।

प्रवासन

- 35मिलियन मैक्सिको मूल के निवासी अमेरिका में रहते हैं।
- 2009-10 से और अधिक मैक्सिको प्रवासी अमेरिका से मैक्सिको लोट आए यह संख्या जाने वाले से अधिक है।

मैक्सिको और संयुक्त राज्य: उत्तरी अमेरिका को सबसे गतिशील और प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में परिवर्तित करना

- कुल द्विपक्षीय व्यापार (2015): **531** बिलियन अमेरिकी डॉलर
- **294** बिलियन डॉलर का निर्यात अमेरिका को (2015)।
- **3.1** गुना से अधिक ब्राजील, रूस, भारत और दक्षिण अफ्रीका को मिलाकर।
- **6** **मिलियन अमेरिकी नौकरियां हमारे द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध से समर्थित है।**
- नाफ्टा को लागू किए जाने के बाद 20 वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में 483 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

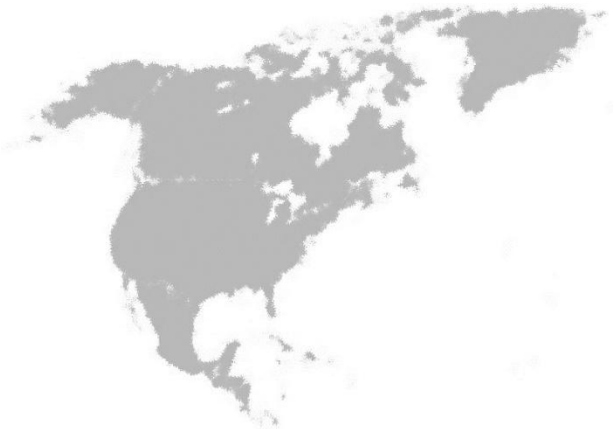

मैक्सिको भारत के अपने डायसपोरा के साथ अपने अनुभव से क्या सीख सकता है

भारत

- अधिकांशत: उच्च कुशल प्रवासी कामगार
- प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय (एमओआईए) का विदेश मंत्रालय में विलय।
- भारतीय कंपनियों के माध्यम से विदेश में नौकरी सृजन करते हुए युवा तक पहुंच।
- लोक कूटनीति के लिए विदेश में बसे डायसपोरा के मूल्य की पहचान करने की दीर्घकालिक परंपरा।
- अमेरिका में 132,888 भारतीय छात्र (2015)

मैक्सिको

- अधिकांशत: कम कुल प्रवासी कामगार
- उप मत्रालय स्तरीय डायसपोरा संस्था
- दीर्घकालिक सशक्तिकरण रणनीति
- संरक्षण से प्रवासी एकीकरण को बढ़ावा देने में धीमा बदलाव।
- अमेरिका में 35,722 मैक्सिको छात्र (2015)

डायसपोरा अनुबंध

बेहतर प्रथाओं को साझा

सीखेगए सबक

वापसआने वाले प्रवासियों का संघटन

विदेश की सफल कहानियों के माध्यम से विश्वास का सृजन

IV.उत्तरी अमेरिका में एक लैटिन अमेरिकी देश

पैसेफिक अलायंस

एक उत्कृष्ट पूर्वानुमान

- एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए अनुमान के साथ सबसे रचनात्मक और सफल क्षेत्रीय एकीकरण पहल।

- लैटिन अमेरिकी जनसंख्या का 36% ।
- वैश्विक स्तर पर 8वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 8वां सबसे बड़ा निर्यातक देश।
- लैटिन अमेरिका के जीडीपी का 38 प्रतिशत।
- इस क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय व्यापार का 50%।
- 45 प्रतिशत एफडीआई आता है।
- 780 सूचीबद्ध कंपनियों के साथ इस क्षेत्र का सबसे बड़ा स्टॉक बाजार।

क्यूबा

इस गोलार्ध में पुन: प्रवेश

- इस क्षेत्र में स्थिति परिवर्तक: क्यूबा और अमेरिका की घनिष्ठता।
- मैक्सिको इस परिवर्तन प्रक्रिया के माध्यम से क्यूबा के साथ बातचीत को मजबूत करने को तैयार है।
- क्यूबा के विशेष विकास जोन (अल मेरियल) में निवेश करने के लिए प्रथम प्राधिकृत कंपनी मैक्सिको की थी जो संयोग नहीं था।

सीईएलएसी

वास्तविक लैटिन अमेरिका

ग्लोबल साउथ

- एक मंच जो इस क्षेत्र को अंतत: एक स्वर में बोलने की अनुमति प्रदान कर रहा है।
- सभी 33 लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देश।
- यह संयुक्त राष्ट्र के 17 प्रतिशत सदस्य राष्ट्रों का प्रतिनिधित्व करता है।
- यह क्षेत्र विश्व में सबसे अधिक खाद्यान्न उत्पादन करता है और निर्यात करता है।
- यहां विश्व का 30 प्रतिशत वन आच्छादित क्षेत्र है।

- संयोग के कारण स्वत: ही यह हमारे राजनीतिक जैसे उदारता को मजबूत बना रहा है।

V. मानकों और मूल्यों को आकार देना : मैक्सिको और वैश्विक व्यवस्था क्लब

यूएन

ओईसीडी

एमआईकेटीए

- मैक्सिको, इंडोनेशिया, कोरिया, तुर्की और आस्ट्रेलिया

- मुक्त व्यापार के लिए खुला
- मध्य शक्तियां
- उभरती अर्थव्यवस्थाएं
- लोकतांत्रिक प्रणाली
- क्षेत्रीय नेतृत्व
- उच्च विकास की क्षमता
- मजबूत आंतरिक बाजार

MIKTA
New Innovative Partnership

अनिवार्यता:
वैश्विक नियामक व्यवस्था के डिजाइन और रचना में सक्रिय योगदान।

माध्यम: पुरानी और उभरती वैश्विक व्यवस्था क्लब।

- बढ़ती क्रय शक्ति

पैसेफिक अलायंस

V.वैश्विक व्यवस्था में हमारी भूमिका: मानदंडों और मूल्यों को आकार देना

जहां चाह वहीं राह, अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए मार्ग है।

मैक्सिकन छाप के बिना संयुक्त राष्ट्र का कोई मुद्दा नहीं होता है।

भारत की तरह हम यूएन के मुख्य देशों में आते हैं जो उसके लिए महत्व रखता है।

आगे मैक्सिको -भारत

सतत विकास लक्ष्य

ऊर्जा

शांति स्थापना हेतु अभियान

- मैक्सिको यूएन में

सुरक्षा परिषद् सुधार

- वैश्विक स्तर पर सोचना और स्थानीय स्तर पर कार्य करना, एसडीजी को परिभाषित करता है।
- समावेशी दृष्टिकोण।
- मैक्सिको का योगदान: लैंगिक समानता, प्रवासन, गरीबी के प्रति बहुआयामी दृष्टिकोण।

- जलवायु वास्तविकता→ स्वच्छ और हरित विकास विकल्प।
- मैक्सिको पेरिस समझौते को अपनाने का स्वागत करता है।

अपनी भागीदारी बढ़ाई।

- निकट मित्रों, साझेदारों और प्रमुख सैन्य योगदान करने वाले देशों यथा भारत से बेहतरीन प्रथा सीखना।

- मैक्सिको और भारत का एक ही लक्ष्य है: एक अधिक लोकतांत्रिक, जबावदेही भरा और अधिक प्रतिनिधिमूलक यूएनएससी।
- समाधान: समझौता

VI.मैक्सिको भारत में कैसे निर्माण कर सकता है?

मैक्सिको

“मूविंग मैक्सिको”

- उत्पादकता और निवेश में बढ़ोतरी
- शिक्षा सुधार
- आर्थिक प्रतिस्पर्धा, राजकोषीय और वित्तीय सुधार
- ऊर्जा सुधार
- विशेष आर्थिक क्षेत्र

भारत

“मेन इन इंडिया”

- निवेश बढाना युवाओं को
- प्रशिक्षित करनाकारोबारी सुविधाएफडीआई
- की सीमा को समाप्त करनास्मार्ट सिटी
- मिशन

VI. मैक्सिको और भारत:

हमारे पास असंख्य अवसर

मैक्सिको विश्व में सबसे गतिशील क्षेत्रों में एक के लिए भारत के लिए प्राकृतिक पुल है।

साझा अवसर

वैश्विक बाजार

व्यापार और निवेश

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

पर्यटन

कारोबार

हमारे विशेष स्थान और रणनीतिक संबंधों ने उनलोगों के हितों को जगाया है जो अमेरिका के साथ संबंध जोड़ना चाहते हैं।

मैक्सिको भारत का पहला सबसे बड़ा लैटिन अमेरिकी निवेशक है जिसने 800 मिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किया।

भारत 13 मैक्सिकन कंपनियों का स्थान है जो उन क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है जो मनोरंजन से लेकर भारी उद्योग तक जुड़ा हुआ है।

लगभग 60 भारतीय फर्मों ने आईटी और

2015 में:

मैक्सिको ने 2014 की तुलना में 22.6 प्रतिशत अधिक भारतीय निवेशकों का स्वागत किया भारत में मैक्सिकी पर्यटन में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

कारोबारी अवसर:

आटोमोटिव उद्योग, खनन उद्योग और आईटी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र।

जिम्मेदारी का निर्वहन: विश्व मंच पर मैक्सिको

क्लाउडिया रूईज मैसियू

मैक्सिको विदेश मंत्रालय

विश्व मामलों के भारतीय परिषद्